



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

23 ज्येष्ठ 1941 (श10)

(सं0 पटना 698) पटना, वृहस्पतिवार, 13 जून 2019

गृह विभाग
(अभियोजन निदेशालय)

अधिसूचना
7 जून 2019

सं० अ0नि0(14)07/2016/आरोप/1148—श्री सुजय बिहारी अम्बष्ठ, तत्कालीन सहायक अभियोजन पदाधिकारी, अनुमंडल अभियोजन कार्यालय, दानापुर को नौकरानी की हत्या के आरोप में दिनांक 06.07.2016 को न्यायिक हिरासत में जाने के फलस्वरूप गृह विभाग, अभियोजन निदेशालय, बिहार के अधिसूचना संख्या-1024 दिनांक 29.08.2016 द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-9(2) (क) के आलोक में न्यायिक हिरासत में जाने की तिथि से निलंबित किया गया एवं श्री अम्बष्ठ द्वारा न्यायिक हिरासत से मुक्त होने के उपरान्त सहायक अभियोजन पदाधिकारी के पद पर योगदान दिये जाने के फलस्वरूप श्री अम्बष्ठ को गृह विभाग, अभियोजन निदेशालय, बिहार के संकल्प संख्या-1277 दिनांक 16.12.2016 द्वारा बिहार सरकारी सेवक(वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-9(3) (i) (क) या (ख) में निहित प्रावधान के अनुसार न्यायिक हिरासत से मुक्त होने की तिथि से निलंबन से मुक्त करते हुए उक्त नियमावली के नियम-(9)(i) (क) या (ख) के तहत पुनः निलंबित किया गया तथा श्री अम्बष्ठ के विरुद्ध आरोप पत्र, प्रपत्र-‘क’ गठित करते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के तहत विभागीय कार्यवाही संचालित किया गया।

2. श्री अम्बष्ठ के विरुद्ध गठित आरोप पत्र, प्रपत्र-‘क’ में निम्न आरोपों को गठित किया गया:-

- (i) श्री सुजय बिहारी अम्बष्ठ, सहायक अभियोजन पदाधिकारी, (सम्प्रति निलंबित) अनुमंडल अभियोजन कार्यालय, दानापुर पर अपनी नौकरानी की हत्या करने का आरोप है जिसके लिये ये दिनांक 06.07.2016 से न्यायिक हिरासत में थे।
- (ii) श्री सुजय बिहारी अम्बष्ठ, सहायक अभियोजन पदाधिकारी (सम्प्रति निलंबित), अनुमंडल अभियोजन कार्यालय, दानापुर द्वारा की गयी अपनी नौकरानी की हत्या का आरोप गंभीर आपराधिक प्रवृत्ति का है। श्री अम्बष्ठ राजपत्रित सरकारी सेवक हैं तथा इनका यह कृत्य सरकारी सेवक के लिए अशोभनीय है साथ ही बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-20(i) के प्रतिकूल है।

3. संचालन पदाधिकारी-सह-तत्कालीन जिला अभियोजन पदाधिकारी, पटना के पत्रांक 571 दिनांक 14.09.2017 द्वारा समर्पित जॉच प्रतिवेदन में विभागीय कार्यवाही के संचालन के उपरान्त निम्न मंतव्य प्रतिवेदित किया गया:-

- (i) प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी के द्वारा प्रस्तुत अभियोजन साक्षी एवं प्रदर्शों तथा अभिलेख पर उपलब्ध साक्ष्यों में प्रथम दृष्टया नौकरानी की हत्या करने तथा न्यायिक हिरासत में जेल जाने के आरोप की पुष्टि होती है।
- (ii) आरोपी के विरुद्ध दर्ज प्राथमिकी राजीव नगर थाना कांड संख्या-141/2016 अन्तर्गत धारा-376/302/201/34 भा0द0वि0, में नौकरानी की हत्या का आरोप लगाया गया है, जो भारतीय दण्ड संहिता का गंभीर आपराधिक कृत्य है एवं इसके लिए ये दिनांक 07.07.2016 से 06.08.2016 तक एक माह न्यायिक अभिरक्षा में रहे हैं जो श्री अम्बष्ठ के पत्र, दिनांक 09.08.2016, अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी, दानापुर के पत्रांक 652 दिनांक 11.07.2016, अभियोजन निदेशालय के अधिसूचना संख्या-1024 दिनांक 29.08.2016 एवं राजीव नगर थाना कांड संख्या-141/2016 की प्रथम सूचना रिपोर्ट से स्वतः स्थापित हो जाता है।

4. संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जॉच प्रतिवेदन के समीक्षा के क्रम में श्री अम्बष्ठ के विरुद्ध राजीव नगर थाना कांड संख्या-141/2016 में दर्ज प्राथमिकी के मामले माननीय न्यायालय में वाद की अद्यतन स्थिति से अवगत कराने का अनुरोध अभियोजन निदेशालय के पत्रांक 220 दिनांक 12.02.2018 द्वारा जिला अभियोजन पदाधिकारी, पटना से किया गया जिसके आलोक में प्रभारी जिला अभियोजन पदाधिकारी, पटना के पत्रांक 83 दिनांक 16.02.2018 द्वारा सूचित किया गया कि उक्त वाद माननीय न्यायालय में अंतिम प्रपत्र का प्रतीक्षा हेतु लंबित है। इस कांड में आरोप पत्र अभी न्यायालय में समर्पित नहीं किया गया है।

5. प्रभारी जिला अभियोजन पदाधिकारी, पटना से प्राप्त उक्त सूचना के आलोक में श्री सुजय बिहारी अम्बष्ठ तत्कालीन सहायक अभियोजन पदाधिकारी, अनुमंडल अभियोजन कार्यालय, दानापुर सम्प्रति निलंबित के निलंबन की अवधि 02(दो) वर्ष से अधिक हो जाने के कारण निलंबन से मुक्त करने तथा श्री अम्बष्ठ के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही को राजीव नगर थाना कांड संख्या-141/2016 के मामले में दर्ज आपराधिक वाद में माननीय न्यायालय द्वारा संज्ञान/न्यायादेश पारित किये जाने तक स्थगित रखे जाने के बिन्दु पर सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना से परामर्श प्राप्त किया।

6. सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना द्वारा विभागीय प्रस्ताव पर निम्न परामर्श दिया गया:-

- (i) आपराधिक कार्यवाही के निष्पादन तक विभागीय कार्यवाही को स्थगित रखे जाने का निर्णय लेते हुए संबंधित सरकारी सेवक को निलंबन से मुक्त किया जाय। आपराधिक कार्यवाही के अंतिम निष्पादन के उपरान्त उसके फलाफल के आधार पर ही विभागीय कार्यवाही का भी निष्पादन किया जाय।
- (ii) दिनांक 06.07.2016 से सम्पूर्ण कारावास की अवधि का विनियमन आपराधिक कार्यवाही के अंतिम निर्णय के आधार पर किया जा सकेगा, परन्तु दुबारा निलंबित किये जाने के बाद की निलंबन अवधि का विनियमन विभागीय कार्यवाही के अंतिम निष्पादन तक लंबित रखा जायेगा।

7. सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना से प्राप्त उक्त परामर्श के आलोक में सरकार के स्तर पर निम्न निर्णय लिया गया है:-

- (i) श्री सुजय बिहारी अम्बष्ठ, तत्कालीन सहायक अभियोजन पदाधिकारी, अनुमंडल अभियोजन कार्यालय, दानापुर सम्प्रति निलंबित को तत्काल प्रभाव से निलंबन से मुक्त करते हुए इनके विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के तहत संचालित विभागीय कार्यवाही को इनके विरुद्ध दर्ज आपराधिक कार्यवाही के निष्पादन तक इस शर्त के साथ स्थगित रखा जाता है कि इस मामले में दर्ज आपराधिक वाद के निष्पादन के फलाफल के आधार पर इस विभागीय कार्यवाही का निष्पादन किया जायेगा।
- (ii) श्री सुजय बिहारी अम्बष्ठ, तत्कालीन सहायक अभियोजन पदाधिकारी के सम्पूर्ण कारावास अवधि (दिनांक 06.07.2016 से 05.08.2016 तक) का विनियमन आपराधिक कार्यवाही के अंतिम निर्णय के आधार पर विचार किया जायेगा तथा दुबारा निलंबित किये जाने की अवधि (दिनांक 16.12.2016 से निलंबन मुक्ति की तिथि तक) का विनियमन इनके विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही के अंतिम फलाफल के आधार पर किया जायेगा।

8. इस पर माननीय मुख्य (गृह) मंत्री का अनुमोदन प्राप्त है।
9. उपर्युक्त कंडिका-7(i) एवं (ii) का निर्णय, श्री सुजय बिहारी अम्बष्ठ, तत्कालीन सहायक अभियोजन पदाधिकारी सम्प्रति निलंबित, जिला अभियोजन कार्यालय, मुजफ्फरपुर को संसूचित करते हुए, निदेशित किया जाता है कि वे अभियोजन निदेशालय, बिहार में अपना योगदान समर्पित करें।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
प्रदीप कुमार,
संयुक्त सचिव, अभियोजन निदेशालय ।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 698-571+10 डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>